



UDAIPUR BIRD FESTIVAL 2017-18

BIRDS OF UDAIPUR
(A POCKET GUIDE)



Indian Golden Oriole
(*Oriolus kundoo*)



वन विभाग (राजस्थान)

● **Common Cuckoo**
(*Cuculus canorus*)





परिंदों का स्वर्ग है उदयपुर अंचल

मेवाड़ का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक वैभव जग विख्यात है। यहां की विमोहिनी लोक परंपराएं और शिल्प वैशिष्ट्य हमारी विलक्षण थाती हैं। उदयपुर जिला प्रवासी व स्थानीय पक्षियों की पसंदीदा आवास स्थली है। राज्य के 24 महत्वपूर्ण पक्षी स्थलों में से उदयपुर में जयसमंद झील एवं अभयारण्य, फुलवारी की नाल एवं सज्जनगढ़ अभयारण्य, सेई बांध, उदयपुर झील संकुल एवं बाघदड़ा कुल 6 महत्वपूर्ण पक्षी स्थल स्थित हैं। जिले से सटे पड़ोसी जिलों में कुंभलगढ़, सीता माता तथा माउण्ट आबू अभयारण्य, तथा सरेरी बांध कुल 4 महत्वपूर्ण पक्षी स्थल और है। इस तरह दक्षिण राजस्थान में कुल 10 महत्वपूर्ण पक्षी स्थलों का जाल फैला है।

नैसर्गिक सुषमा से समृद्ध राज्य के इस दक्षिण अंचल में सज्जनगढ़, फुलवारी, जयसमंद, माउण्ट आबू, कुंभलगढ़, टॉडगढ़-रावली, सीतामाता एवं बस्सी जैसे अभयारण्य स्थित हैं जिनमें वनवासी, जलीय, थलीय एवं घास क्षेत्रों के पक्षियों एवं अन्य प्राणियों की विपुल विविधता विद्यमान है। अंचल में लगभग 242 तरह के पक्षी ज्ञात हैं। जलाशयों के तटों व वृक्षों पर विचरण करते देशी-विदेशी परिन्दे और सघन वनाच्छादित क्षेत्रों में उन्मुक्त घूमते वन्यजीवों से इस जिले की अपनी अलग ही पहचान है।

जिला मुख्यालय उदयपुर सहित जिले के विभिन्न जलाशयों में शीतकाल के आरंभ होते ही, अक्टूबर-नवम्बर माह में देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। इस दौरान इन जलाशयों में क्रीडारत पक्षियों की उपस्थिति पक्षी एवं प्रकृति प्रेमियों को बरबस ही आकर्षित करती है।

उदयपुर शहर की झीलों-तालाबों के साथ ही निकटवर्ती जलाशयों जैसे पिछोला, स्वरूप सागर, रूप सागर, बड़ी तालाब, फतहसागर, जयसमंद झील, थूर की पाल, चौकडिया आदि जलाशयों में बड़ी संख्या में पक्षियों को क्रीडाएं करते देखा जा सकता है। एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मानव निर्मित मीठे पानी की झील जयसमंद उदयपुर जिले की शान है।

अंचल के जलाशयों में रडी शेलडक, नर्दन शॉवलर, पिनटेल, कॉमन पोचार्ड, टफ्टेड पोचार्ड, गेडवॉल, मलाई, विजन, स्पॉट-बिल्ड डक, कॉम्ब डक, विसलिंग डक, कॉमन टील, कॉटन पिग्मी गूज, व्हाइट (वूली) नेक्ड स्टॉर्क, ओपन बिल स्टॉर्क, ब्लैक आईबिस, व्हाइट आईबिस, ग्लॉसी आईबिस, परपल हैरोन, नाइट हैरोन, कॉमेरिन्ट, फ्लेमिंगो, पैलिकन, बार-हैडेड गूज, ग्रे लेग गूज तथा विभिन्न प्रजातियों के ईग्रेट्स भी दिखाई देते हैं। स्थानीय पक्षियों में सारस क्रेन, मोर व अन्य प्रकार के घरेलू पक्षी अहर्निश इस अंचल को अपने कलरव से गुंजायमान रखते हैं। झीलों के कैचमेन्ट में काटेदार वन क्षेत्र में जगह-जगह दुर्लभ व्हाइट-नेप्ड टिट पाया जाता है।



DUSKY EAGLE-OWL

● (*Bubo coromandus*)



Montagu's Harrier

● (*Circus pygargus*)



Peregrine Falcon

● (*Falco peregrinus*)





उदयपुर की झीलें और पक्षी

उदयपुर की झीलों का एक संकुल है जो हमें विरासत में मिला है। जरूरत पड़ने पर श्रेणीबद्ध रूप से एक से पानी दूसरी झील में स्थानान्तरित किया जा सकता है। स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के आदर्श पर्यावरण के रूप में हमारी झीलों की पहचान सदैव रही है। उदयपुर की झीलों में पिछोला झील का अपना अहम स्थान है। यह शहर में स्थित सबसे पुरानी एवं सबसे बड़ी झील है जिसका क्षेत्रफल 6.96 वर्ग किमी. है। इस झील को पीछू बंजारा द्वारा बनाया गया था। तत्कालीन पिछोली गांव की समीपता से भी झील का नाम जुड़ा है। इस झील में 'लेक पैलेस' एवं 'जग मन्दिर' होटल स्थित है।

पिछोला झील के उत्तर में फतहसागर झील स्थित है जिसका जल फैलाव 4.5 वर्ग किमी. है। इस झील का निर्माण महाराणा जयसिंह ने 1678 ईस्वी में कराया था जिसका पुनरुद्धार महाराणा फतहसिंह द्वारा 1889 ईस्वी में कराया गया। उदयपुर शहर के पूर्व में देबारी के पास सबसे बड़ी झील उदयसागर स्थित है जिसका निर्माण महाराणा उदयसिंह ने 1559 में प्रारंभ किया जो 1565 तक चला। शहर के बीच से गुजरने वाली आयड़ नदी अपना प्रवाह उदयसागर में डालती है। इसी आयड़ नदी की घाटी में 5000 वर्ष पूर्व प्रचीन आयड़ सभ्यता ने विकास किया था।

रंगसागर नामक झील का निर्माण 1668 में तत्कालीन महाराणाओं द्वारा कराया गया। शहर की अन्य प्रमुख झीलों में एक स्वरूप सागर का निर्माण 1678 महाराणा स्वरूप सिंह द्वारा कराया गया था। यह झील रंगसागर एवं फतहसागर से जुड़ी हुई हैं। एक छोटी झील दूध तलाई भी कम सुन्दर नहीं है। यह झील माछला मगरा वन खण्ड की तलहटी में स्थित है तथा पिछोला झील से जुड़ी हुई हैं।

शहर के दक्षिण छोर की तरफ स्थित गोवर्धन सागर भी एक दर्शनीय स्थल है। यह पिछोला झील से एक लिंक नहर से जुड़ी हुई हैं। शहर के पश्चिम में बड़ी गांव के पास स्थित बड़ी तालाब का निर्माण महाराणा राजसिंह ने कराया था। सज्जनगढ़ अभयारण्य के उत्तरी भाग से इस जलाशय का मनोहारी दृश्य देखने को मिलता है।

उदयपुर नगर एवं इसकी परिधि के जलाशयों में लगभग 242 प्रजातियों के पक्षी पाये जाते हैं। इनमें करीब 102 प्रजातियां जलीय एवं 140 प्रजातियां स्थलीय पक्षियों की हैं। उदयपुर की झीलों एवं आस पास के जलाशयों में 150 प्रजातियां शीतकालीन प्रवासी पक्षियों की हैं जो प्रतिवर्ष शीतकाल में प्रवास पर आती हैं।



झील के किनारे बबूल और अन्य झाड़ियां पक्षियों के प्रजनन के दौरान घोंसले बनाने में उपयोगी साबित होती हैं जिनमें कई स्थानीय जलीय पक्षी प्रतिवर्ष मानसून दौरान प्रजनन करते हैं। चांदपोल दरवाजे के पास स्थित छोटे टापू पर प्रजनन काल के दौरान ओपन बिल स्टॉर्क की नीड़ कॉलोनी देखने लायक होती है। झीलों की परिधि पर शहर में जगह-जगह ईग्रेट एवं हैरोन प्रजनन काल में अपनी नीड़ कॉलोनियां बनाते हैं।

शीतकाल में आने वाले प्रमुख पक्षियों में बार-हेडेड गूज, ग्रे लेग गूज, ब्राह्ममणी इक, पिनटेल, गेडवाल, कॉमन टील, मलाड, यूरोशियन विजन, नॅदर्न शॉवलर, गारगेनी, कॉमन पोचार्ड, टफ्टेड पोचार्ड आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा झील में पैलिकन व फ्लेमिंगो भी आते रहते हैं। पिछले बीस वर्षों में आने वाले पक्षियों का यदि आंकलन करें तो धीरे-धीरे पक्षियों की संख्या में कमी होती प्रतीत हो रही है। शहर की झीलों के बजाय ग्रामीण क्षेत्रों की झीलों में पक्षियों की बड़ी संख्याएं देखने को मिलती हैं।

झीलों का पर्यटन विकास में बहुत महत्व है। झीलों में स्थित पार्क एवं होटलों का अपना आकर्षण है। झीलों के किनारे स्थित होटल भी पर्यटकों द्वारा ठहरने हेतु पसंद किए जाते हैं। शादी-समारोह, फिल्म शूटिंग आदि हेतु लोग यहां इसलिए पहुंचते हैं क्योंकि झीलों की सुन्दरता एवं उनकी वजह से सुखाद जलवायु सभी को आकर्षित करती है। नौकायन, एंगलिंग आदि भी बिना झीलों के संभव नहीं। निःसन्देह झीलें हमारी आर्थिक समृद्धि के लिए बहुत जरूरी हैं।

प्रदूषण हमारी झीलों के लिए बड़ा खतरा है। अति-पर्यटन, जलग्रहण क्षेत्रों में वन विनाश, किनारे तक निर्माण कार्य आदि भी झीलों की पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा हैं। जन-जागरण के प्रयास लगातार जरूरी हैं ताकि झीलों की स्वच्छता एवं सुन्दरता को निरन्तर बनाये रखा जा सके।

पुस्तक में दर्शाए गये अधिकांश चित्र **नर-पक्षी** के हैं



उदयपुर की झीलों में दिखाई देने वाले सामान्य जलीय पक्षी

- | | |
|---------------------------|-------------------------------|
| 1. लिटल ग्रेब | 31. ब्लैक-क्राउन नाईट हैरान |
| 2. व्हिसलिंग टील | 32. ग्रे हैरॉन |
| 3. कॉम्ब डक | 33. परपल हैरॉन |
| 4. स्पॉट-बिल्ड डक | 34. कैटल ईग्रेट |
| 5. रडीशैल डक | 35. पेन्टेड स्टॉक |
| 6. ग्रे लेग गूज | 36. ओपन बिलस्टॉक स्टॉक |
| 7. बार हैडेड गूज | 37. व्हाईट-नेकड स्टॉक |
| 8. नॅदर्न पिनटेल | 38. रैड-वैटलड लैपविंग |
| 9. नॅदर्न शॉवलर | 39. यलो-वैटलड लैपविंग |
| 10. यूरेशियन विजन | 40. रीवर टर्न |
| 11. गारगेनी | 41. इंडियन थिकनी |
| 12. कॉमन पोचार्ड | 42. सेण्ड पाईपर |
| 13. व्हाईट आई पोचार्ड | 43. कॉमन रिंगड प्लॉवर |
| 14. टफ्टेड पोचार्ड | 44. ब्लैक-विंगड स्टिल्ट |
| 15. कॉमन टील | 45. पैन्टेड स्नाईप |
| 16. कॉटन पिग्मी गूज | 46. डाल्मेशियन पैलिकन |
| 17. गोडवाल | 47. व्हाईट-ब्रेस्टेड किंगफिशर |
| 18. मलार्ड | 48. पाईड किंगफिशर |
| 19. ब्राउन-हैडेड गल | 49. कॉमन किंगफिशर |
| 20. ग्रेट व्हाईट पैलिकन . | 50. कॉमन कूट्स |
| 21. ग्रेटर फ्लेमिंगो | 51. फ़ैजेन्ट टेलड जेकाना |
| 22. लिटिल कॉरमोरेंट | 52. ब्राँज विंगड जेकाना |
| 23. डार्टर (स्नेक बर्ड) | 53. व्हाईट ब्रेस्टेड वाटरहैन |
| 24. पोण्ड हैरॉन | 54. परपल मूरहैन |
| 25. लिटिल ईग्रेट | 55. ऑस्प्रे |
| 26. इण्डियन श्रेग | 56. मार्श हैरियर |
| 27. व्हाईट आईबिस | 57. ब्लैक-टेलड गॉडविट |
| 28. ब्लैक आईबिस | 58. सारस क्रेन |
| 29. ग्लाँसी आईबिस | 59. डैमोजल क्रेन |
| 30. स्पूनबिल | 60. फ़ैरोजीनस पोर्चड |



स्थानीय पक्षी
(Resident)



शीत प्रवासी
(Winter Migrant)



ग्रीष्म/पथ प्रवासी
(Summer/Passage Migrant)

1
सारस
Sarus Crane



2
राजहंस
Greylag-Goose



3
सरपट्टी सवण
Bar-headed Goose



4
टिकड़ी
Common Coot



5
नकटा
Comb Duck



6
सीखपर
Northern Pintail



7
छोटी डुबडुबी
Little Grebe





8

जाँघिल

Painted Stork



9

लोहारजंग

Black-necked Stork



10

घोंघिल

Asian Openbill



11

चमचा

Eurasian Spoonbill



12

हाजी लगलग

Woolly-necked Stork



13

सफेद हवासिल

Great White Pelican





14
नीलसर
Mallard



15
लालसिर बतख
Red-crested Pochard



16
छोटी मुर्गाबी
Common Teal



17
तिदारी बतख
Northern Shoveler



18
गिरी बतख
Cotton Pymy-goose



19
गुगरल बतख
Spot-billed Duck



20
छोटी लालसिर बतख
Common Pochard



21
पियासन बतख
Eurasian Wigeon



22
चेता बतख
Garganey



23
छोटी सिलही
Lesser Whistling Duck





24
अबलक बतख
Tuffed Duck



25
सुर्खाब
Ruddy Shelduck



26 A
कुर्चिया बतख
Ferruginous Pochard



26 B
गेडवाल
Gadwall



27
जामुनी जलमुर्गी
Purple Swanphen



28
सफेद-छाती जलमुर्गी
White-breasted Waterhen



29
सामान्य जलमुर्गी
Common Moorhen



30
जल पीपी
Bronze-winged Jacana



31
पिहो
Pheasant-tailed Jacana



32
सफेद-बुज्जा
Black-headed Ibis



33
कौआरी बुज्जा
Glossy Ibis



34
काला बुज्जा
Black-Ibis



35
बानवै
Oriental Darter



36
सिलेटी अंजन
Grey Heron



37
नरी अंजन
Purple Heron



38
गजपांव
Black-winged Stilt



39
बड़ा हंसावर
Greater Flamingo



40
छोटा सुरमा-चौबाहा
Common Red Shank





41
टिटहरी
Red-wattled Lapwing



42
जर्द टिटहरी
Yellow-wattled lapwing



43
अन्धा बगुला
Pond Heron

44
करछिया बगुला
Little Egret



45
गाय बगुला
Cattle Egret



46 A
युरेशियाई कर्वान
Eurasian Thick-knee

46 B
गुडेरा
Black-tailed Godwit



47
छोटा पनकौवा
Little Cormorant



48
बड़ा कर्वान
Great Thick-knee



49
जल कुररी
River Tern

50
जीरा बटन
Little Ringed Plover





White-throated Kingfisher
● (*Halcyon smyrnensis*)



Tricoloured Munia
● (*Lonchura malacca*)



Coppersmith Barbet
● (*Psilopogon haemacephalus*)



51
मोर
Indian Peafowl



52
हीरामन तोता
Alexandrine Parakeet



53
कंठीवाला तोता
Rose-ringed Parakeet



54
टुइया तोता
Plum-headed Parakeet



55
सामान्य पपीहा
Common Hawk Cuckoo



56
हरा पतरंग
Green Bee-eater



57
क्राफल पक्का
Indian Cuckoo



58
अबलक चातक
Jackobin Pied Cuckoo





59
सामान्य कबूतर
Blue Rock Pigeon



60
धवर फाखता
Eurasian Collared
Dove

61
चितरोखा फाखता
Spotted Dove



62
ईट कोहरी फाखता
Red Collared Dove



64
कुहार भटतीतर
Chestnut-bellied
Sandgrouse



63
टुटरूंग
Laughing Dove



66
बड़ा मोहक
Greater Coucal



65
सामान्य हरियल
Yellow-footed
Green Pigeon



67
कोयल
Asian Koel





68
छुटकन्ना उल्लू
Short-eared Owl



69
सामान्य खूसट
Spotted Owlet



70
करेल उल्लू
Barn Owl



71
हुदहुदु
Common Hoopoe



72
विलायती नीलकण्ठ
European Roller



73
छोटा किलकिला
Common Kingfisher



74
देसी नीलकण्ठ
Indian Roller



75
कौरिल्ला किलकिला
Pied Kingfisher



76
सफेद छाती किलकिला
White-throated Kingfisher



77
ठठेरा बसन्था
Coppersmith Barbet





● Tickell's blue flycatcher



(Cyornis tickelliae)



79
सामान्य चील
Black Kite



78
सिलेटी धनेश
Indian Grey
Hornbill



81
कपासी चील
Black-winged Kite



80
शिकरा
Shikra

82
सफेद गिद्ध
Egyptian Vulture



83
देसी गिद्ध
Indian Vulture

84
चमर गिद्ध
White-rumped
Vulture





85
घरेलु कौवा
House Crow



86
लाल तरुपिक
Rufous Treepie



87
स्वर्ण पीलक
Eurasian Golden
Oriole



88
देसी नौरंग
Indian Pitta



89
छोटा राजालाल
Small Minivet



90
सामान्य भुजंगा
Black Drongo



91
मटिया लहुरा
Bay-backed Shrike



92
नीलकण्ठी लूसीनिया
Bluethroat



93
सफेद नचनी
White-browed Fantail





94
दूधराज
Asian Paradise
flycatcher



95
सामान्य शोबीगी
Common Iora



96
दयाल
Oriental-Magpie
Robin



97
काला धिरधिरा
Black Redstart



98
कलचुरी
Indian Robin



99
गंगा मैना
Bank Myna



100
सामान्य मैना
Common Myna



101
अबलकी मैना
Asian Pied Starling



102
पुहय्या
Black-headed Starling



103
गुलाबी मैना
Rosy Starling



104
सिलेटी रामगंगरा
Great Tit



105
गुलदुम बुलबुल
Red-vented Bulbul



106
लीशरा अबबील
Wire-tailed Swallow



107
कालपुठ अंगारा कठफोड़ा
Black-rumped Flameback



108
डूमरी, गौगाई, चरखी (सतभाई)
Common Babbler



109
बड़ी गौगाई, चरखी (सतभाई)
Large Grey Babbler



110
दबक चिरी
Ashy-crowned Sparrow Lark





111

कलपीठ सफ़फंगरा
White-naped Tit

112

सफ़द खंजन
White Wagtail

113

सफ़द भौंह खंजन
White-browed Wagtail

114

बैंगनी शक्कर खोरा
Purple Sunbird

115

चंटीदार चंडुल भरत
Crested Lark

116

सामान्य बया
Baya Weaver

117

चोटी पथर चिरटा
Crested Bunting

118

चित्ती मुनिया
Scaly breasted Munia

119

सादा मुनिया
Indian Silverbill



120
चित्रित तीतर
Painted Francolin



121
जंगली लवा
Jungle Bush Quail



122
सफेद तीतर
Grey Francolin



123
वर्डीटर मछरिया
Verditer Flycatcher



124
सिलेटी दुम-फुदकी
Ashy Prinia



125
घरेलु गौरैया
House Sparrow



♀



♂

126
सामान्य दर्जीन
Common Tailor Bird



127
पूर्वी बबूना
Oriental White-eye





पक्षी जगत और हम

पक्षी:

गर्म रक्त वाले, अण्डज प्राणी जिनके दो पैर होते हैं एवं जिनके शरीर पर पंखों का आवरण एवं शरीर पर एक जोड़ी डैने होते हैं, पक्षी कहलाते हैं। भोजन पकड़ने हेतु दांत रहित चिमटीनुमा चोंच की उपस्थिति इनका मुख्य लक्षण होता है।

पक्षियों का महत्व:

पक्षियों का धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, जैविक, पारिस्थितिकी एवं वैज्ञानिक महत्व होता है। परागण एवं प्रकीर्णन जैसी जैविक क्रियाओं से ये मनुष्यों हेतु फल व बीजों के रूप में खाद्य पदार्थ पैदा करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गिद्ध जैसे पक्षी मृत पड़े जीवों को खाकर सफाई का जिम्मा संभालते हैं। बाज व उल्लू, चूहों आदि को नियन्त्रित करते हैं। पक्षी कठोर बीजावरण वाले बीजों को खाकर उन्हें उपचरूप में मल में निकाल सहजता से उगने में सक्षम बनाते हैं। पक्षियों की लाभदायक भूमिका के कारण ही मोर, गरुड़, सारस, नीलकण्ठ आदि का धर्म-शास्त्रों में उल्लेख मिलता है।

बर्ड वॉचिंग का उद्देश्य एवं महत्व:

प्राकृतिक सन्तुलन में बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाले पक्षियों का संरक्षण बर्ड वॉचिंग के माध्यम से ही किया जा सकता है। बर्ड वॉचिंग से मनुष्य को प्रकृति का सानिध्य मिलता है और उसके तनावों और मनोरोगों का अन्त होता है। पक्षियों के बीच जाकर प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति होती है। पक्षियों की फोटोग्राफी रोजगार का साधन बन सकती है। बर्ड वॉचिंग से मनुष्य का पक्षियों संबंधी ज्ञान बढ़ता है। बर्ड वॉचिंग से पक्षीविज्ञान के रहस्यों की नयी-नयी जानकारीयां उजागर होती हैं।

बर्ड वॉचिंग क्या है ?

पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में, उनकी जैविक क्रियाओं को करते हुए देखना, पहचानना एवं आनंद अनुभव करना ही बर्ड वॉचिंग है। पक्षियों को पिंजरे में बंद रखना, पिंजरे में रखे पक्षियों को देखना बर्ड वॉचिंग नहीं है।





बर्ड वॉचिंग कैसे व कहाँ करें ?

बर्ड वॉचिंग नंगी आंखों से लेकर बायनाकुलर, टेलीस्कोप व स्पोर्टिंग स्कॉप की मदद से किया जाता है। हम अपने आस पास, किचन गार्डन, मोहल्ले की नालियों के आस पास, झीलों के किनारे एवं झीलों के अन्दर, सार्वजनिक उद्यानों, चुग्गा स्थलों व धार्मिक स्थानों के पास, होटलों के



जूठन फैंकने के स्थानों पर, मृत पशु फैंकने की जगहों पर, कचरा स्थलों पर, नदी, नालों, तालाबों, एनीकटों, बांधों व अन्य जलाशयों के आसपास, चारागाहों एवं वन क्षेत्रों में हर कहीं किसी न किसी पक्षी को अवश्य देख सकते

हैं। इन स्थानों पर पक्षी घोंसला बनाते हुए, बच्चों का लालन-पालन करते हुए, चहकते हुए, पानी या मिट्टी में नहाते हुए एवं अन्य कोई ना कोई गतिविधि करते हुए अवश्य मिल जाएंगे। इनकी क्रियाओं में व्यवधान डाले बिना, शान्ति से एवं धीरे-धीरे कुछ पास जाकर किसी वृक्ष, झाड़ी, भवन या किसी दूसरी चीज की ओट में रहकर इनकी गतिविधियों को देखा जा सकता है तथा पक्षियों के शरीर की बनावट, रंगों, चलने के ढंग, बोली आदि का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

प्रारंभ में आसपास के बड़े पक्षियों जैसे मोर, कोयल, कौवा, तोता, फाख्ता, नीलकंठ, बगुला, बतख, गिद्ध, कबूतर आदि को नंगी आंखों से देख कर ही पक्षी अवलोकन का श्री गणेश किया जा सकता है। बाद में छोटे व दूरस्थ पक्षियों को बायनोकुलर व टेलीस्कोप से देखा जा सकता है। बायनोकुलर जिनकी आवर्धन क्षमता एवं आब्जेक्टिव लेंस की चौड़ाई माप का अनुपात 1:5 हो वह बर्ड वॉचिंग के लिए उत्तम रहता है। टेलीस्कोप में एक आंख से देखा जा सकता है तथा इसे एक जगह रख कर दूर के पक्षियों को देखा जा सकता है। इससे उड़ते पक्षियों को देखना कठिन होता है।

बर्ड वॉचिंग दौरान वेशभूषा:

पक्षी देखने के लिए सफेद व तडक-भड़क वाले कपड़े नहीं पहनने चाहिए। हरे व खाकी रंग के कपड़े उत्तम रहते हैं क्योंकि इस रंग के कपड़े आसपास के वातावरण में घुल मिल जाते हैं। पक्षियों को देखने के लिए उचित दूरी अवश्य बनानी चाहिए। सिर पर हरी या खाकी कैप भी पहननी चाहिए ताकि बालों पर गिरने वाली सूर्य की रोशनी की चमक से पक्षी व्यवधान महसूस कर उड़ें नहीं।



बर्ड वॉचिंग हेतु साजो सामान:

बर्ड वॉचिंग करने वाले व्यक्ति के पास बायनॉकुलर, पक्षियों की फिल्ड-गाइड, नोट-बुक, पेन या पेन्सिल, पानी की बोतल, उचित वेशभूषा, एक हरा या खाकी थैला या हैवर बैक जिसमें की सामान रखा जा सकें, होने चाहिए। बायनोकुलर न हो तो नंगी आंखों से ही बर्ड वॉचिंग करें। यदि कैमरा हो तो और भी अच्छा होता है ताकि पक्षियों की फोटोग्राफी भी की जा सकें।



बर्ड वॉचिंग कैसे करें ?

जब भी मौका मिले, पक्षियों को ध्यान से देखें। उसकी ऊंचाई, आकार, प्रकार, पैरों की उंगलियों की संख्या, पैरों का रंग, शरीर के विभिन्न भागों के पंखों के रंग, आंखों की विशेषता, सिर पर कलंगी की उपस्थिति आदि संबंधी जानकारी नोट करें। प्रारंभ में पक्षी का आकार दूसरे जाने पहचाने पक्षी से तुलना कर नोट कर सकते हैं जैसे कबूतर से बड़ा या छोटा आदि। निरीक्षण की दिनांक एवं समय भी रिकार्ड करें। पक्षी के आवाज की जानकारी जैसे वह पानी में, पानी के किनारे, घने वन में, वन के किनारे, खेतों में, शहर में, कचरा घर के पास या जहां भी मिला हो उसकी पूरी जानकारी अंकित करें। देखने के समय वह क्या गतिविधि कर रहा था, वह भी लिखें। पक्षियों के शरीर के विभिन्न अंगों की विशेषताओं एवं रंगों का रिकार्ड अवश्य रखें। पक्षी-गाइड पुस्तिका या पक्षियों के जानकार व्यक्ति से देखे हुए पक्षी का नाम जाने एवं पहचान प्रमाणित करावें। स्थानीय लोगों से पूछकर पक्षी का स्थानीय नाम भी नोट करें।

बर्ड वॉचिंग के दौरान क्या न करें ?

बर्ड वॉचिंग के दौरान मोबाइल से संगीत न सुनें। शोर-शराबा, बातचीत नहीं करें। अण्डों-घोंसलों को कदापि न छेड़े। पालतु पशु जैसे कुत्ते, बिल्ली साथ न रखें, उसके निकलने का इन्तजार करें। उस पर पत्थर न फेंके। यदि छुपा पक्षी बाहर नहीं आ रहा है तो उसे छोड़ दीजिए, दूसरे पक्षी हेतु आगे बढ़ जाइयें। पक्षी आवासों में प्रदूषण न फैलायें।



● **Eurasian Spoonbill**
(*Platalea leucorodia*)



● **(Great White Pelican)**
(*Pelecanus onocrotalus*)

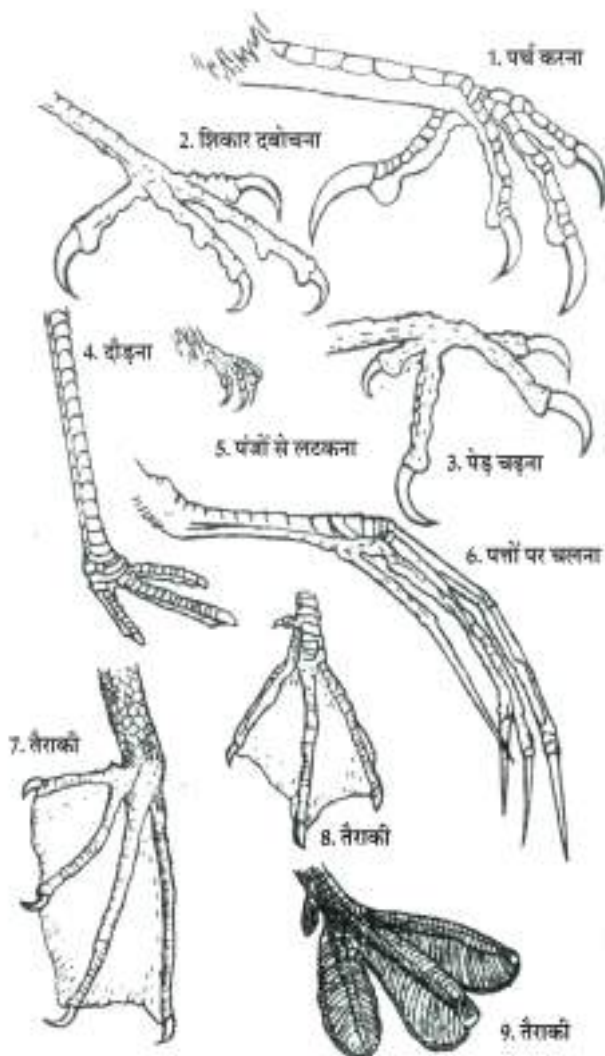


● **Greater Flamingo**
(*Phoenicopterus roseus*)





पक्षियों के पैरों के प्रकार



1. जंगली कौवा 2. बेसरा 3. कठफोड़ा 4. नुकरी 5. अबाबील
6. जसाणा 7. धोमरा 8. पनकौवा 9. पनडुब्बी



दक्षिण राजस्थान के महत्वपूर्ण जलाशय

क्र.सं. जलाशय का नाम	स्थिती
1. पिछोला	उदयपुर शहर
2. फतहसागर	उदयपुर शहर
3. दूधतलाई	उदयपुर शहर
4. स्वरूप सागर	उदयपुर शहर
5. गोवर्धन सागर	उदयपुर शहर
6. रूप सागर	उदयपुर शहर
7. नेला तालाब	उदयपुर शहर
8. बड़ी तालाब	सज्जनगढ़ अभयारण्य के पश्चिम में
9. उदय सागर	उदयनिवास के पास
10. बाघदरा तालाब	बाघदरा नेचर पार्क में
11. चौकड़िया तालाब	झाड़ोल रोड़ पर
12. ओगणा बाँध	ओगणा गांव के पास
13. सेई डैम	देवला के पास
14. घासा	मावली के पास
15. भटेवर तालाब	सिंधानिया विश्वविद्यालय के पास
16. आमलिया	भटेवर के पास
17. सरजना एवं कंबोडिया	वल्लभनगर में
18. मेनार	मंगलवाड़ रोड़ पर
19. खेरोदा	खेरोदा गांव के पास
20. नगावली	मंगलवाड़ के पास
21. मंगलावाड़	मंगलवाड़ के पास
22. घोसुण्डा	मंगलवाड़ के पास
23. वागन बाँध	उदयपुर - बड़ी सादड़ी रोड़ पर
24. बडवई	भीण्डर के पास
25. किशन-करेरी	भीण्डर के पास
26. डाया	जयसमंद रोड़ पर
27. पिलादर तालाब	जयसमंद अभ्यारण्य में
28. जयसमंद	सलूम्बर रोड़ पर
29. हरचन्द	सराड़ा तहसील में
30. केजड़	सराड़ा के पास
31. सोमकागदर	ऋषभदेव के पास
32. कैलाशपुरी	नाथद्वारा रोड़ पर



क्र.सं. जलाशय का नाम	स्थिती
33. राजसमंद	राजसमंद शहर में
34. राजियावास तालाब	राजियावास गांव के पास (राजसमंद)
35. गुरला तालाब	उदयपुर भीलवाड़ा रोड़
36. मेजा डेम	भीलवाड़ा जिले में मेजा गांव के पास
37. अरवड़ बाँध	भीलवाड़ा जिले में
38. सरेरी बाँध	भीलवाड़ा जिले में सरेरी गांव के पास
39. त्रिवेणी संगम	भीलवाड़ा जिले में
40. जोगी तालाब	उदयपुर अहमदाबाद रोड़
41. टीडी डेम	उदयपुर जिले में अहमदाबाद रोड़
42. बागोलिया	मावली के पास
43. पुरोहित जी का तालाब	गमधर पौधशाला के पास
44. कंधारिया बाँध	झाड़ोल तहसील में
45. झाड़ोल बाँध	झाड़ोल गांव के पास
46. मानसी वाकल बाँध	गोराणा गांव के पास
47. रणकपुर/सादड़ी बाँध	रणकपुर के पास
48. जवाई बाँध	जवाई बाँध रेलवे स्टेशन के पास
49. बस्सी बाँध	बस्सी अभ्यारण्य में
50. गैप सागर	डूंगरपुर शहर में
51. सोम-कमला-आम्बा बाँध	आसपुर के पास
52. बाघेरी का नाका	कुंभलगढ़ रोड़
53. जाख्रम	सीता माता अभ्यारण्य में
54. नन्द संमंद	जावर माईन्स के पास
55. बाघदड़ा	बाघदड़ा नेचरपार्क में
56. रूपसागर	उदयपुर शहर में
57. नागमाला	फलासिया-सोम रोड़ पर
58. साबेला	डूंगरपुर के पास
59. चुण्डावाड़ा	डूंगरपुर जिले में बिछीवाड़ा के पास
60. डीमिया	डूंगरपुर जिले में डीमिया गांव के पास
61. लक्ष्मण सागर	डूंगरपुर में मांडव गांव के पास
62. लोहारिया	बांसवाड़ा में लोहारिया गांव के पास
63. माही	बांसवाड़ा जिले में
64. कडाना बैक वाटर	बांसवाड़ा जिले में
65. करावाड़ा	डूंगरपुर जिले में करावाड़ा के पास
66. धम्बोला	डूंगरपुर जिले में करावाड़ा के पास



प्रेक्षाण



प्रेक्षाण



● Long-tailed Shrike
(*Lanius schach*)

A close-up photograph of an Indian Scops Owl perched on a tree trunk. The owl's body is camouflaged with mottled brown and white feathers, blending perfectly with the rough bark of the tree. Its large, dark eyes are visible, and its prominent ear tufts are pointed upwards. The background is a soft, out-of-focus yellow, suggesting a natural, sunlit environment.

Indian Scops Owl
(*Otus bakkamoena*)

Office :
Deputy Conservator of Forests
Wildlife, Udaipur
E-Mail : dcfwludz@gmail.com